



0000 605902

क्रिमत भूमि :	मलियती :	अस्टाय :	क्रिताअस्टाय :
6,00625/-	3,81,300/-	72,120/-	12

20,000/- तसिन्, 5,000/- दो, 1,000/- एक, 750/- एक, 100/-
दो, 50/- एक, 40/- तसिन्, ॥

रक्ता : 09-03 बीधा : 84 हल्फ : 84

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a long sentence or paragraph.]

॥ वी य ना मा ॥

यह कि विवेका विवेक आज दिनांक - 6 अप्रैल सन 1998

को श्री हरीश कुमार उमर 36 साल, पुत्र श्री प्रेम प्रकाश, पुत्र श्री
रतन कंद, पिता श्री राजा-शिमला, हाल शायी - छवरोमें, तहसील
राजगढ़, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ॥ जिसे पहले पक्ष में विद्वेता
कहा गया है ॥ पृथम पक्ष : 3 व

:- मैसर्स सैक्योर मीटर रजु लिमिटेड पृताप नगर इन्डस्ट्रीयल

ऐरीया उदमपुर राज्य स्थान खरीया मुखत्यारे आग श्री एस० एस० सुहाना,
पट्टा श्री पी० एस० सुहाना, निवासी 222-डी एच-ब्लाक सेनिक फार्म
हाऊस नई दिल्ली १ जिसे इसके उपरान्त जेम्ता कहा गया है १ द्वितीय

ଶେଷ ପୃଷ୍ଠ:- 2 :-

1-2-50



00CC 605904

-: 2 :-

पक्ष के बीच लिखा गया है।

यह कि विज्ञा पृथम पक्ष भूमि छेद/खसौनी न० 249/262 खसरा न० 766 § 1-1 वीछा §, 767 § 3-13 वीछा §, 769-§ 1-18 वीछा §, व 770 § 2-11 वीछा § कुल कित्ते चार रक्वा तदादी नौ० वीछा व तीन विस्वा वाक्या मौजा बटेड़, प सना दून, तहसील कसौली, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश न० ह० 200 का वाहिद मालिक तथा कालिज है, जैसा कि नवल जमाबन्दी/मीसल हकीकत बाकत साल 1996-97 में दर्शया गया सलम है। उपरोक्त अराजी खस पुकार से साफ व पाक है तथा पुत्येक पुकार के भारो से मुक्त है।

यह कि विज्ञा पृथम पक्ष ने उपरोक्त अराजी खसरा नम्बर 766, 767, 769, 770, कित्ते चार रक्वा तदादी नौ० वीछा व तीन विस्वा वाक्या मौजा बटेड़, प सना दून, तहसील कसौली, जिला सोलन हिपु० के विज्ञा करने का सौदा विज्ञा ने ज्ञेयता के साथ तथा ज्ञेयता ने उपरोक्त अराजी के ज्ञेय करने का सौदा विज्ञा के साथ म० 3,81,300/- § तीन लाख इक्यासी हजार तीन सौ० रुपये §

[illegible]

क्या यह सच है कि यह व्यक्ति एक बार भी नहीं पकड़ा गया।
निम्नलिखित व्यक्ति को भी पकड़ा था.....

[illegible]

Sub-Register

Kas ul, District Solan (H.P.)

1-10-55

200/69

W. L. C.

100-443887-100

Sub-Register

Kesari, District Solan (H.P.)
10/4/98

Yours truly,
J. Edgar Hoover

CONFIDENTIAL

14-00000

7-136 100% 100% 100%

50 LINE 1 TEXT

1918-1919 - 000.18.2-104

1



-: 3 :-

00CC 605903

निस्व जिसके 1,90,650/- रुपये होते है, में कर लिया है।

यह कि विक्त्रेता पृथम पक्ष ने उपरोक्त अराजी की तमा म
बै राशि यानि मु० 3,81,300/- ₹ तीन लाख ईक्कासी हजार तीन सौ०
रुपये ₹ रुक्क गवाहान के आज तक वसूल कर लिये है। तथा अब लेने
को वा वक्त तसदीक रजिस्ट्री के रुक्क सब-रजिस्ट्रार कसौली कु नही
रहा है।

यह कि विक्त्रेता ₹ क्रयता/द्वितीय पक्ष ₹ हिमाचल प्रदेश
का अक्क है इसलिए क्रयता ने उपरोक्त अराजी को बाबत अ
ईकाई स्थापित करने हेतु खरीद करने की ईजाजत हिमाचल प्रदेश
वित्तायुक्त एक्म् सचिव ₹ राजस्व ₹ हिपु० के पत्राका सँख्या वि-वी-पा-
₹ 10/2/98 तारीख 12- मार्च सन 1998 को बजरीया सचिव राजस्व ₹
हिपु० सरकार से निम्न शर्तों पर प्राप्त कर ली है :-

₹ 1 ₹ यह अनुमति इस पत्र के जारी होने से 180 दिन तक
मान्य वैध होगी।

₹ 2 ₹ इस का प्रयोग तभी प्रयोजन के लिये किया जायेगा जो

Attached with Sr No. 713/8

do

उपकोषाध्यक्ष
राज्य निकाय
07 2.4.48.

2/4 1/4

पञ्जीकृत

(यश)
Sub-Registrar
K... ul, District Solan (H.P.)
8/4/48



-: 4 :-

निधार्ति अवधि के अन्दर नहीं किया गया तो उक्त भूमि सभी प्रकार से भार मुक्त हो कर सरकार में निहित हो जायेगी ।

§ 3§ जमाबन्दी के टिप्पणी छद्म में लाल स्याही से इन्द्राज किया जाये कि क्रेता भू विषय में सरकार से किसी भी प्रकार से भूमि आर्बन/लीज/अनुदान के लिये कृष्ण की परिभाषा में नहीं आयेगा ।

§ 4§ इस स्वीकृति के अन्तर्गत कृष की गई भूमि का क्रेता कृष्ण कहलाने का अधिकारी नहीं होगा और ऐसा अकृष्ण व्यक्ति अकृष्ण ही रहेगा ।

§ 5§ विक्रेय की जाने वाली प्रस्तावित भूमि की स्टैम्प शुल्क वर्तमान बाजार की कीमत पर क्रेता से वसूल की जायेगी ।

यदि विक्रेता प्रथम पक्ष ने अपनी उपरोक्त अराजी खसरा

नम्बर 766, 767, 769, 770, किसे 4 रक्बा तदादी नौ 0 बीघा व

तीन बिस्वा. वाक्या बेटे § न 0 ह 0 200 § त 0 कसौली के विषय में

का सौदा, विक्रेता ने क्रेता के साथ मु 0 3,81,300/- रुपये में स्थापित

स्वामित्व, पथ, जल, वायु, प्रकाश, सुख, भोग अधिकार, आकाशी,

_____ do _____
h h
 2/4 h h

Sub-Registrar
Kuala, District Solan. (H.P.)
6/4/98



-: 5 :-

आवनीशी, चरान्द, कटान्द, वन अधिकार, आबदी का अधिकार तथा अन्य तमाम एक एक अधिकार जो भी विक्रेता को उपरोक्त अराजी के सम्बन्ध में है या होते हो पूर्ण विक्रेता रूप में हमेशा के लिये क्रेता के पक्ष में हस्तान्तरण कर दिये हैं । अब क्रेता उपरोक्त अराजी का वाहिद मालिक तथा काबिज होगा, जिसको कि उपरोक्त अराजी को बेय करने, रैन कसे, हिब्बा करने, तबादला करने व पट्टा आदि पर देने का पूर्ण अधिकार तथा क्षमता होगी । विक्रेता ने अपने तमाम एक एक अधिकार क्रेता के पक्ष में इस बैयनामा की रूह से हस्तान्तरण कर दिये हैं ।

यह कि रजिस्ट्री बैयनामा की अस्टाम्प डियुटी व अन्य खर्चा जात क्रेता ने अदा किये हैं और आईन्दा भी करेगा ।

यह कि विक्रेता ने मौका पर उपरोक्त अराजी का कब्जा क्रेता को सौंप दिया है । अब अगर उपरोक्त अराजी वैसुदा या किसी

Attached with Sr No. 713/8

_____ also _____

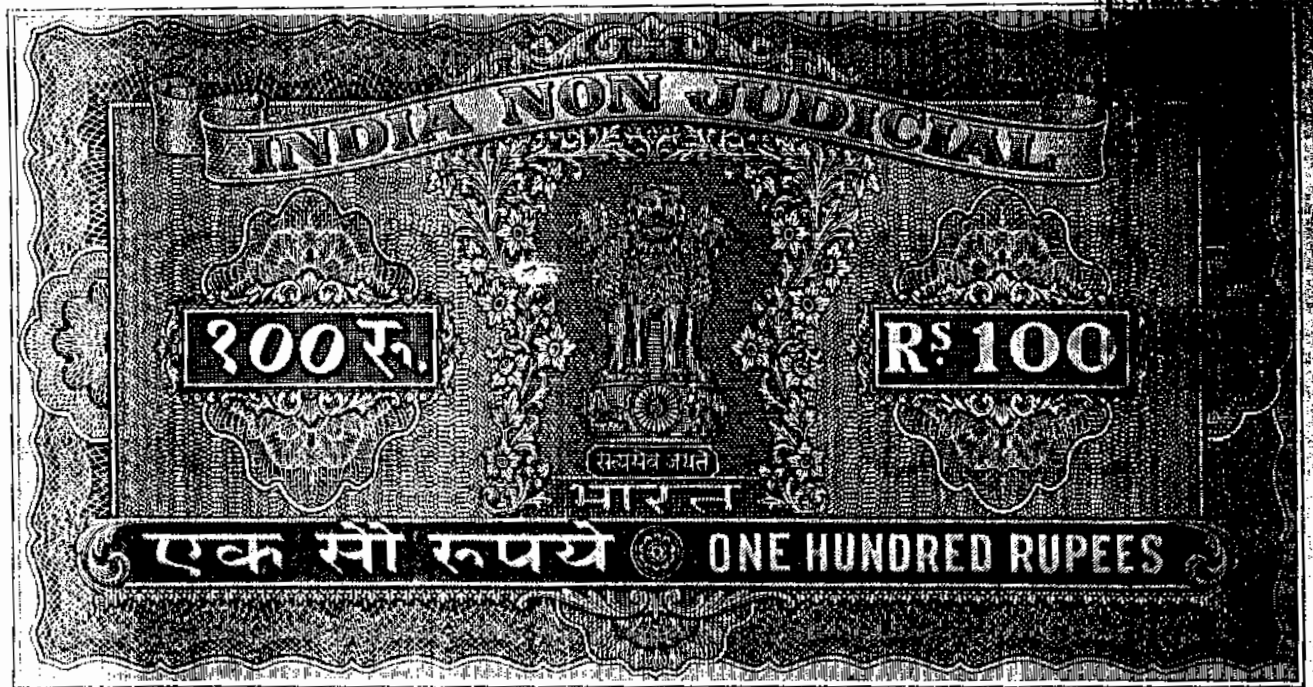
h
2/4

h
1/4

~~certified~~
~~Notar Public~~
Dt 2.4.98.

4/30/98

Gau
Sub-Registrar
Kax ul. 6/4/98 Strlot Solan (H P.)



-: 6 :-

बूटी से ब्रेक्ता के कब्जा तथा अधिकार से निकल जावे तो ऐसी अवस्था में
विक्रेता ब्रेक्ता की हानि अपनी सम्पत्ति से पूरा करने को बाध्य होगा ।
विक्रेता यह विश्वास दिलाता है कि उपरोक्त अराजी हर प्रकार से साफ
व पाक है तथा यह भी लिखा देता है कि उपरोक्त अराजी पर अब उसके
किसी वासिस उत्तराधिकारी का कोई वास्ता व ताल्लुक किसी किस्म का
नही होगा ।

यह कि विक्रेता क्लिख में प्रयोग किये गये शब्दों में विक्रेता
व ब्रेक्ता के अतिरिक्त उनके जाईज वासिस उत्तराधिकारी भी समस्त समझे
जावेंगे ।

शेष पृष्ठ:- ४ :-

Attached with Sr No. 713/8

_____ do _____

~~सफाई~~
सफाई विभाग, सोलापूर,

DT 2.4.98

~~हनु~~
2/4

~~हनु~~

~~हनु~~

~~हनु~~
Sub-Registrar
Kasuli

6/4/98
(H.P.)



-: 7 :-

अतः विवेका ने अपने तन-मन की पूर्ण स्वास्थ्य अवस्था तथा स्वातन्त्र्य इच्छा से निम्न हस्ताक्षर करने वाले साक्षियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर कर दिये कि प्रमाणित रहे और करते जरूरत काम आवे । मजबूत विवेका नामा पढ़वा कर सुन व समझ लिया जो कि सुन व समझ कर सही व दुरुस्त माना आज दिनांक :- ७ : पञ्चम सन १९९८ मुकाम कसौली ।

गवाह :-

तारा चन्द

विवेका

१.

श्री तारा चन्द नम्बरदार

साक्षि टिपरा, त० कसौली ॥ श्री हरीश कुमार ॥

वेपता :-

॥ २॥

श्री दलीप वर्मा पुत्र श्री

के० एस० वर्मा, निवासी

सिक्योर मिटर बरोटीवाला

॥ मेसर्स सैक्योर मिटरज लि० ॥

बजरीया मुख्तियारे आम :-

॥ एस० एस० सुराना ॥

६/५/९८
२५८

Attached with S. No. 713/8 Dt 2.4.98

उपकोषाध्यक्ष
आन्ध्र प्रदेश सरकार

Dt 2.4.98.

महोदय महोदय
2/4

प्रति,

Sub-Registrar
Kandam, 6/4/98 (H.P.)



- 8 -

सलम बैयनामा विमत अस्टाम्प है ।

विक्रेता

Handwritten signature

॥ श्री हरीश कुमार ॥

5000 Rs

Grav 8/5 DT 6/4/98

Issued to in Honor of
870 52 from Perkasie No 243
Circulating 8nd. - 4.

hms 1/4
9/4

For sale closed

870 52
6/4/98, Kasauli

4/31/98

(4/31/98)
Sub-Registrar
K. ul. District Solan (H.P.)
6/4/98



: 9 :-

शुद्ध रूपानामा लिखित अस्तित्व है ।

विज्ञाप

[Handwritten signature]

॥ श्री हरीश कुमार ॥

1000 RS

Attached with serial 8 dated 6/4/98

S. P. Singh

6/4/98

Ann 1
0/4

is/ter

Sub-Registrar
Kasuli, District Solan (H.P.)
6/4/98

100Rs



:- *to* :-

सत्यमेव जयते विस्तृत अन्वय है ।

विशेष

hmm /

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

100Rs

Agreed with $\frac{8}{5}$ DT 6/4/98

Spind

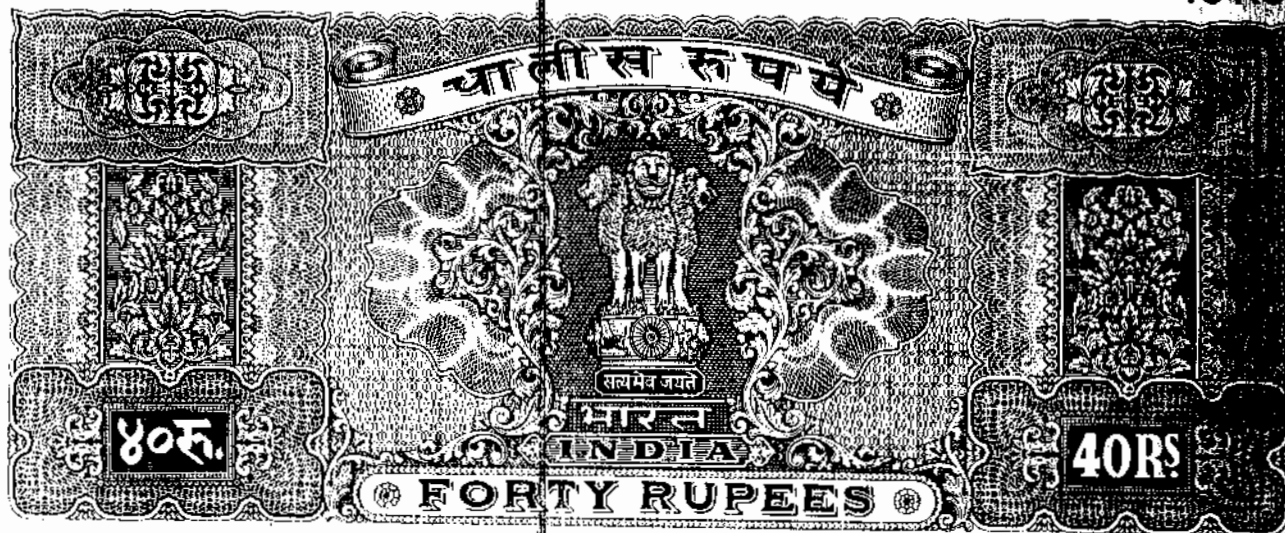
6/4/98
Sub-Treas. Kasauli

him
o/y

india

(4)4
Sub-Registrar
Kasauli, District Solan (H.P.)

6/4/98



- ५ -

सत्यमेव जयते

चिह्न

१ वीं वरीयता

40 Rs.

Attached with exp 8/5 DT 6/4/98

hmm 1-7
6/4

Sporow
Assistant Treasurer
Sub. Treasury Council

-450/221

Sub-Committee
6/4/98

40 Rs.



:- h:-

सलम ब्यनामाकित अस्था है ।

विक्रेता

हरिश कुमार

Accepted with \$ $\frac{8}{5}$ 10/16/58

huc 1 $\frac{1}{4}$

~~Chas. D. Easton~~
Assistant Treasurer
Chas. D. Easton, Receiver

11/15/58

~~Chas. D. Easton~~
Chas. D. Easton (H.P.)
6/4/58

40Rs.



-: 13 :-

सत्यमेव जयते अस्माकं देव ।

विक्रेता

॥ हरीश कुमार ॥

Attached with Sr No 713/8

do

[Signature]
2/4

DT

~~उपनिवेश~~
जिला बोर्ड
2.4.98.

यदि कहा जाता है कि यह लेख क्रमांक
135. वही संख्या 2. पर संख्या 403
के पृष्ठों पर 6/4/98
को पंजीकृत हुआ है।
यदि यह वही संख्या 2. पर संख्या 20
के पृष्ठों पर 6/4/98 तक चिपका दी
गई है।

[Signature]
6/4/98